"प्रभावी संवाद"

13 नवंबर, 2024 को विधि कार्य विभाग के कर्मचारियों के लिए ब्रह्म कुमारियों द्वारा आयोजित व्यवहार कौशल संबंधी कार्यशालाओं की श्रृंखला के अंतर्गत "प्रभावी संवाद" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। यह सत्र कॉन्फ्रेंस हॉल, द्वितीय तल, शास्त्री भवन में सुबह 10:45 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चला।

कार्यशाला का आरंभ ब्रह्म कुमारियों की कुशल सूत्रधार और वक्ता सिस्टर पूनम ने किया, जिन्होंने पेशेवर माहौल में संप्रेषण कौशल को बढ़ाने के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की। सत्र में प्रभावी संप्रेषण की क्रियाशीलता को समझने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें सक्रियता से सुनना, स्पष्ट अभिव्यक्ति और संवाद में समानुभूतिक भाव बनाए रखना शामिल है। सिस्टर पूनम ने कार्यस्थल के भीतर बेहतर संबंधों और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सकारात्मक मनोभावों, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और विभिन्न स्थितियों में संप्रेषण शैलियों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया।

कार्यशाला में संयुक्त सचिव, अवर सचिव, विधि सलाहकार और डीओएलए के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों से उनकी संवाद की आदतों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया और संवाद को बेहतर बनाने, गलतफहमियों को कम करने और टीमवर्क को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ बताई गई।

यह सत्र परस्पर संवादात्मक था, जिसमें वास्तविक जीवन के उदाहरण और भूमिका निभाने वाले प्रयोग शामिल थे, जिससे प्रतिभागियों को प्रभावी संप्रेषण तकनीकों का प्रयोग करने का मौका मिला। कार्यशाला को इसके आकर्षक दृष्टिकोण और कार्यस्थल में स्पष्ट, सम्मानजनक और उत्पादक संप्रेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए गए व्यावहारिक साधनों के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

इस "प्रभावी संवाद" कार्यशाला ने उपस्थित लोगों को उनके संप्रेषण कौशल को मजबूत करने में मदद की, जोकि विधि कार्य विभाग में सहयोगात्मक और सामंजस्यपूर्ण कार्यालय वातावरण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं।